



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4  
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 15]  
No. 15]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 30, 1984/श्रावण 8, 1906  
NEW DELHI, MONDAY, JULY 30, 1984/SRAVANA 8, 1906

इस भाग में भिन्न दृष्ट संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

आयकर अधिनियम, 1961 [1961 का 43] की धारा 269 घ [1] के  
अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, 23 जुलाई, 1984

निर्देश नं. ए-10/84-85:—प्रतः मुझे जे० पी० हिलारी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम) कहा गया है ) की धारा 269 घ के अधीन सभ्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5385 है तथा जो मथुरा में स्थित है (और इससे उपायय प्रतुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ) , रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अस्तित्व

(अन्तरको) और अस्तित्व (अस्तित्वों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के प्रभार के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, ठिकाने में सुविधा के लिए

प्रतः अथ उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ को उस धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्रीमती उमा गोस्वामी, पत्नी (अन्तरक)  
श्री सुरेश चन्द्र गोस्वामी  
इम्पियर नगर, मथुरा एवं अन्य लोग

2. श्री नारायण हरी गुप्ता, पुत्र (अन्तरिनी)  
श्री राम दयाल गुप्ता, नि० गऊघाट,  
मथुरा
3. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिनी. (वह व्यक्ति, जिसके अतिशय में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके प्रत्येक सम्पत्ति के अतिशय के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अतिशय के अतिशय में कोई भी आपत्ति :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति/व्यक्तियों से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्री पर्वों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदी

एक किला जमीन वाके डैम्पियर नगर, मथुरा।

तारीख : 23-7-84

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए।)

Notice Under Section 269 D (1) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

Office of the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Kanpur 23rd. July, 1984

Ref. No. A-10/84-85.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per schedule situated as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 4-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have

not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :-

1. Shrimati Uma Goswami, w/o Sh. Suresh Chandra Goswami, Dampier Nagar, Mathura and others. (Transferor)
2. Shri Narayan Hari Gupta, S/o. Shri Ram Dayal Gupta, R/o. Gau Ghat, Mathura. (Transferee)
3. Shri Narayan Hari Gupta, S/o Shri Ram Dayal Gupta, R/o. Gau Ghat, Mathura (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## SCHEDULE

Land at Dampier Nagar, Mathura.

Date : 23-7-84

Seal :

निवेश नं. ए-15/84-85:—अन. मुझे जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी नं० 2416/83 है तथा जो आगरा में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुमोदी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फतेहबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिनी की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण

के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बचत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिम्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 चू की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री चिरंजी लाल व वेदी राम, (अन्तरक)  
पुत्रगण, श्री दया राम, नि. गढ़ी,  
थाना उषग्राम-पट्टी मुजफ्फरपुर, फतेहाबाद (आगरा)
2. श्री राम लखिन, पुत्र राम दयाल (अन्तरित)  
नि. गढ़ी थाना, उप. पट्टी मुजफ्फरपुर,  
पर. फतेहाबाद, जि. आगरा
3. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरित (वह व्यक्ति, जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में विनियुक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आराजी बाके मोजा पट्टी मुजफ्फरपुर, आगरा

तारीख : 23-7-84

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट-दोड़िए।)

Rcf. No. A-15/84-85.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per schedule situated as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fatehabad on

22-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Chiranji Lal & Ved Ram, Sons of Sri Daya Ram, R/o Garhi Thana, Sub Vill. Patti Muzaffarpur, Fatehabad Distt. Agra. (Transferor)
2. Shri Ram Lachhin, S/o Sri Ram Dayal, R/o Garhi Thana, Sub Vill. Patti Muzaffarpur, Parg-Fatehabad, Distt. Agra (Transferee)
3. Shri Ram Lachhin, S/o. Sri Ram Dayal, R/o. Garhi Thana, Sub Vill. Patti Muzaffarpur, Parg-Fatehabad, Distt. Agra. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Aarazi at Manja Patti Muzaffarpur Agra.

Date : 23-7-1984

Seal .

निवेश नं. ए-16/84-85.—प्रत मुझे जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं 5683 है तथा जो राजपुर, मथुरा में स्थित है (और इसने उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य भास्त्रियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

प्रत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मदन लाल चौधरी, सवित्र (अन्तरक)  
पंचायती धर्मशाला, मृन्वावन
2. बल्लभ मेमोरियल ट्रस्ट, द्वारा (अन्तरिती)  
श्री इन्द्रिकान्त जीकम लाल पारेख,  
बल्लभ सदन, आश्रम रोड, अहमदाबाद
3. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धाराजी बाके राजपुर

तारीख : 23 7 84

मोहर

(जो लाला न हों उसे काट दीजिए)

Ref. No. A-16/84-85.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 5683 situated at Rajpur, Mathura (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura under registration No. 5683 dated 13-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Madan Lal Chowdhry, (Transferor)  
Secy., Panchayati Gaushala,  
Brindaban and others.
2. Ballabh Memorial Trust (Transferee)  
Through Sri Indrikant Jikamlal,  
Parikh, Ballabh Sadan, Ashram Road,  
Ahmedabad.
3. Ballabh Memorial Trust,  
Through Sri Indrikant Jikamlal,  
Parikh, Ballabh Sadan, Ashram Road,  
Ahmedabad.

[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.



**Explanation :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### SCHEDULE

Aarazi at Rajpur.

Date : 23-7-84.

Seal :

†Strike off where not applicable

निदेश नं. ए-17/84-85:—अतः मुझे जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 छ के अधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं. 22734 है तथा जो आगरा में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुमची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्न-लिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री दुम्डा व कालीचरण, पुत्र  
श्री प्यारे लाल, मो. ककरेठा,  
तह. व जि. आगरा (अन्तरक)
2. भाग्य नगर सहकारी गृह  
निर्माण समिति लि., द्वारा श्री मुन्ना सिंह  
सबिब, नि. कच्ची सराय ताजगंज,  
आगरा। (अन्तरिती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन

की अवधि, जो भी अवधि वार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण :— हमने प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेत नम्बर 83 बाके मोजा ककरेठा, त. व जि आगरा

तारीख : 23/7/84

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दें)

Rcf. No. A-17/84-85.—Whereas I, J. P. Hilori, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 11-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that, the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. S/Shri Tunda & Kalicharan,  
Sons of Sh. Pyare Lal,  
Mauja-Kakretha,  
Teh. & Distt. Agra. (Transferor)
2. Bhagya Nagar Sahkari Grah,  
Nirman Samiti Ltd.,  
Through Sri Munna Singh, Secy.,  
R/o Kachi Sarai Tajganj. Agra. (Transferee)

3. Bhagya Nagar Sahkari Grah,  
Nirman Samiti Ltd.,  
Through Sri Munna Singh, Secy.,  
R/o Kachi Sarai Tajganj, Agra.  
(Persons in occupation  
of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Agricultural Land No. 83 at Mauja-Kakretha,  
Teh. & Distt. Agra.

Date : 23-7-84.

Seal :—

+ Strike off where not applicable.

निर्देश नं० ए-1687/83-84:—अतः मुझे जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी संख्या 8079 है तथा जो अलीगढ़ में स्थित है (और हमने उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जितने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसूचन में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधाग (1) के अधीन, निम्न-लिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री ईश्वर दास पुत्र श्री जय दयाल अरोरा  
नि. खार्डीडोरा  
अलीगढ़ (अन्तरक)
2. श्रीमती सुधा वार्धनेय पत्नी श्री विजय  
प्रकाश वार्धनेय, नि. सराय बारह सैनी  
गहर अलीगढ़ (अन्तरिनी)
3. श्री /श्रीमती/कुमारी फेला (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में, सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियों शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— हममें प्रयुक्त शब्दों पर और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित खार्डी डोरा अलीगढ़

तारीख : 24-7-84

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. A-1687|KNP|83-84.—Whereas I, J.P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 8079 situated at Agra (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra the said Act read with rule 48DD of Income-tax Rules, 1962 under registration No. 8079 dated 7-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (j) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Ishwar Das S/o. Shri Jai Dayal Arora R/o. Khai Dora Aligarh (U.P.) (Transferor)
2. Smt. Sudha Varshney W/o Shri Vijay Prakash Varshney R/o. Sarai Barsheni, Aligarh. (Transferee)
3. Shri Smt. transferee (person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

House at Khaidora, Aligarh

Date : 24-7-1984.

Seal :

†Strike off where not applicable

कानपुर, 26 जुलाई, 1984

निर्देश नं. ए-1750/के एन ए/83-84.—अनं मुझे ज. पी. हिलोरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 26-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं. — है तथा जो मोठ सहगल पुरा मथुरा में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-9-83 का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष में अधिक है अन्तर्गत (अन्तरकों) और अन्तर्गती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए

ता पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्शियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती भारद्वाज देवी पत्नी राम धरन दाम, नि. मोहल्ला सहगल पुरा मथुरा (अन्तरक)
2. श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी श्री श्रीनिवासजी नि. बाकी गली मथुरा (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ। उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सकान मोठ, सहगल पुरा, मथुरा

तारीख 26-7-84

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)।

Kanpur, 26th July, 1984

Ref. No. A 1750/KNP/83-84.—Whereas, I J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. .... situated at Moth Saghal Pura Mathura (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura the said Act read with rule 48DD of Income-tax rules, 1962 under Registration No. 5140 dated 19-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such

apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. Bhagwan Devi W/o. Ramcharan Das R/o. Mohal Sahgalpura, Mathura.  
(Transferor)
2. Laxmi Devi W/o Shri Shri Nivas Ji R/o. Wakigali Mathura.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

House property Resident of Moth Sahgalpura Mathura.

Date 26-7-84

Seal

\*Strike off where not applicable

निर्देशनं 41754 के एन पी/83-84:- अतः ससे जे० पी० हिलोरी प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 में अधिक है और जिसकी सं० 9856 है तथा जो अलीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-10-83 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के ब्यवस्था में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या
- (ख) ऐसे किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ख की उन धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. श्री अब्दुल हफ़ज अब्दुल रुक़फ़ एवं अन्य मुहल्ला चाहगर भाया, अलीगढ़  
(अन्तरक)
2. श्री संजय कुमार जैन अशोक कुमार जैन निवासी छिपट्टी अलीगढ़  
(अन्तरिती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक अवधि में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधो-हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची:-

बुकान चौराहा अब्दुल करीम अलीगढ़

तारीख: 23/7/84

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. A-1754/KNP/83/84.—Whereas, I J. P. Hilori, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of



the Registering Officer at Kanpur on 11-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed under the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. S/Shri Abdul Hafiz Abdul Rauf & others  
Mohalla Chaharmaya, Aligarh (Transferor)
2. S/Shri Sanjay Kumar Jain  
S/o. Sri Ashok Kumar Jain,  
R/o. Chhipetty, Aligarh. (Transferee)
3. S/Shri Sanjay Kumar Jain  
So. Sri Ashok Kumar Jain,  
R/o. Chhipetty, Aligarh. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop at Chauraha Abdul Karim Aligarh..

Date : 23-7-84.

Seal :

निवेदन नं० ए-1814/83-84:- अतः मुझे जे० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे हमने पश्चात् ('उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 570 G1/84-2

मूल्य 100,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 22763 है तथा जो आगरा में स्थित है (और इससे उपायवत् अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पश्चात्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से मुक्त अन्तरण, लिखित में आधिकारिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिधियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर धातु:-

1. लू० पाल व दुरौवास पुत्र कयाली राम, नि० नगला हवेनी, मौजा जयन पुर, जिला आगरा (अन्तरक)
2. एनोरा सहकारी, आबाज समिति बन्विद मुनील चन्द्र गर्ग, नि० बाग मुजफ्फर खान, आगरा (अन्तरिती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिकारों में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या मत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नं० 185

तारीख : 24-7-84

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

No. A-1814/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter

referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing land No. 185 situated at Agra (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra under registration No. 22763 dated 10-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Kunwar Pal and Durga Dass (Transferor)  
S/o. Khayali Ram  
R/o. Nagla Haveli, Mouja Jaganpur.  
Distt. Agra.  
(Transferee)
- Aloka Sakhari Avas Samiti  
Sachin Sunil Chandra Garg  
R/o. Bag Muzaffar Khan, Agra
- Shri/Smt. Tr. [Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 185.

Date 24-7-84

SEAL

\*Strike off where not applicable.

निर्देश नं० ए/1820/83-84/के एन पी - प्रा. मं० जे० पी० द्वितीयो प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 से अधिक है और जिसकी नं० 23003 है तथा जो बमई, आगरा में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरि की गई है और मं० यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पत्र प्रमाण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिनी (अन्तरियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का बाधत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिब्य में कमी करने या उससे बचत में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निताओं का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

- श्रीमति राम बाई विद्या पत्नी गनपत लाल मुनिबासी, 10/46 गडई सन्धी, आगरा, ताजगंज, आगरा (अन्तरक)
- मे० आई. टी. सी. लि., ब्रिजिनिया हाऊस 37, चौरंगी कलकत्ता (अन्तरिनी)
- श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिनी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची:-

प्लॉट नं० 888-890 बमई, ताजगंज, आगरा

तारीख: 23/7/84

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. A-1820/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 19-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Smt. Ram Bai W/o. Ganpat Lal  
R/o 10/46, Gadhai Mandi,  
Taj Ganj, Agra. (Transferor)
2. M/s. I.T.C. Ltd.,  
Virginia House,  
37, Chauranghee, Calcutta. (Transferee)
3. As in above (1) Transferor  
(Persons in occupation  
of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 888-890,

Basai, Taj Ganj, Agra.

Date : 23-7-1984.

Seal :

Strike off where not applicable.

निर्देश नं० ए-1821/83-84 :-अतः मुझे जे० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मन्त्र प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 55,243,250 तथा जो ग्राम शाहजलपुर शिकोहाबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में, श्री पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिकोहाबाद में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरित (अन्तरित) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प.या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में युक्त अन्तरण, निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

- 1 श्री जयवीर सिंह व राम जी लाल (अन्तरक)  
पुत्र बाबू राम यादव नि० मु० कटरा मीरा  
शिकोहाबाद जिला मैनपुरी
- 2 श्री इतम सिंह, अध्यक्ष (अन्तरित)  
आदर्श सहकारी गृहनिर्माण समिति  
नि० कटरा मीरा, शिकोहाबाद जिला मैनपुरी

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती की जमीन

3 खेत नं० 55/2-20 डि० व 243/1-21 डि०  
व 250/6-58

ग्राम सह जलपुर तह० शिकोहबाद

जिला मैनपुरी

तारीख : 26-7-84

साहू

[जा लागू न हो उस काट रीजिए]

Ref. No. A-1821/83-84.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 55,243,250 situated at Sahjalpur Shekohabad (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shikohabad under registration No. 38703 dated 10-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Jaiveer Singh & Ramji Lal S/o. Babu Ram Yadav R/o. Moh-Katra Meera Shikohabad Distt. Mainpuri. (Transferor)
2. Shri Inam Singh Adyaksha Adarsh Sahkari Grih Nirman Samiti R/o Katra Meera Shikohabad Mainpuri. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### SCHEDULE

Agriculture Land & Land No. 55/2-20 D. & 243/1-21 D. & 250/6-58, Village Sahjalpur Teh. Shikohabad Distt. Mainpuri.

Date : 26-7-84

SEAL

Strike off where not applicable.

निर्देश नं० के-386/कएनपी/83-84.—अतः सुखे जे० पी० हीलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मन्त्रालय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्याबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं० 20331 है तथा जो कानपुर में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-10-83 को प्रयोजित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिणी (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नालिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्मियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन निम्नालिखित व्यक्तियों अर्थात् .

1. श्री किसान लाल, पुत्र श्री केसर लाल, (अन्तरक)  
126/जी/57, गोविन्द नगर, कानपुर



2 श्री जगजीत सिंह एवं अन्य (अन्तरिती)  
पुत्रगण स० गुरबुखस सिंह, 12/5, ब्लॉक नं. 2,  
गोविन्द नगर, कानपुर

3 श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तन्मन्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में गणना होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् अक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आयदाद नं० 126-G/57-ए, गोविन्द नगर, कानपुर

तारीख . 23-7-84

साक्षर .

[जो लागू न हो उसे काट बाजिए]

Ref. No. K-386/KNP/83-84 :—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 126-G/57A situated at Govind Nagar, Kanpur, (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 20231 dated 10-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this

notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Kishan Lal, S/o Shri Kesarmal, 126G/57, Govind Nagar, Kanpur. (Transferor)
2. Shri S. Jagjit Singh and others sons of S. Gurbux Singh, 12/5, Block No. 2, Govind Nagar, Kanpur. (Transferee)
3. Shri/Smt. S. Jagjit Singh and others Sons of S. Gurbux Singh 12/5, Block No. 2, Govind Nagar, Kanpur. (Persons (s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Property No. 126/G/57-A, Govind Nagar Kanpur

Date : 23-7-84

SEAL

Strike off where not applicable.

निर्देश नं० के 392/83-84 :-अनं सुखे जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 21111 है तथा जो कानपुर स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोपरोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नये पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें घटने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर

अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्राष्ट्रीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

- 1 श्री चितरंजन प्रसाद मंगल (अग्रवाल) (अन्तरक)  
पुत्र श्री राम प्रसाद मंगल  
नि 128/116, ब्लॉक, किदवाई नगर, कानपुर
- 2 श्री नवल किशोर, (अन्तरिती)  
नि. 616/90, कछियाणा मोहल,  
कानपुर
- 3 श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जागरूक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के अन्तर्गत है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सक्रान न. 128/116, ब्लॉक,  
किदवाई नगर, कानपुर

तारीख . 23-7-84

मोहर

[जो लागू न हो उसे काट दीजिए]

Ref No. K-392/83-84 :—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 27-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or,

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Chitrnanjan Pd. Mangal (Aggarwal) S/o Shri Ram Pd. Mangal, R/o 128/116, D-Block Kidwai Nagar, Kanpur. (Transferor)
2. Shri Naval Kishore, R/o 616/90, Kachhiyana Mohal, Kanpur. (Transferee)
3. Shri Nayal Kishore, R/o 616/90, Kachhiyana Mohal, Kanpur. (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## SCHEDULE

H. No. 128/116, B-Block, Kidwai Nagar Kanpur.

Dated : 23-7-84

Seal :

निर्देश नं. के-402/कानपुर/83-84 :—अतः मैंने जो भी हितोरी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 21143 है तथा जो कानपुर में स्थित है (और इससे सम्बद्ध उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-11-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए

नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यो में युक्त अन्तरण, निर्दिष्ट में वास्तविक रूप में अहित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी राय का बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्री/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 13) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित शक्तियों अर्थात् :—

- 1 श्री चन्द्रिका प्रसाद पुत्र श्री मोहनलाल (अन्तरक)  
गुल नि ह्वाइट हाउस यशोदा नगर कानपुर
- 2 टीचर्स हाउसिंग कोऑपरेटिव (अन्तरिती)  
मोसाहटी 77/1-ए, हलसी रोड कानपुर  
द्वारा श्री कृपा शंकर सेंगर सचिव
- 3 श्री श्रीमती/कुमारी.....अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिन के ..... अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती न 61, 62, 63 एवं 36 स्थित नौबस्ता, पर ब जिला कानपुर  
तारीख : 23-7-84

साहू.

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. K-402|KNP|83-84:—Whereas I J. P. Hilori being the competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 61|62|63|36 situated at.....(and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under

the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 21143 dated 11-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or,

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Chandrika Prasad, S/o Shri Mohan Lal Shukla, R/o White House, Yasoda Nagar, Kanpur. (Transferor)
2. Teacher Housing Co-op. Society Ltd., 77-1-A Halsi Road, Kanpur, Through Sri Kirpa Shankar Sengar, Secy. (Transferee)
3. Teachers Housing Co-op. Society Ltd., 77|1-A, Halsi Road, Kanpur, Through Sri Kirpa Shankar Sengar, Secy. Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Land Nos. 61, 62, 63 & 36 at Naubasta, Parg. & Distt. Kanpur.

Date : 23-7-84

SEAL

Strike off where not applicable.

कानपुर, 26 जुलाई, 1984

निर्देश नं० एन-2/84-85 —अथ मुझे जे०पी० हिंनारी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 4087 है तथा जो ग्राम भूडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दारौरी से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-10-83 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाञ्छन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्रीमती कलावती बेवा, श्री नथू सिंह (अन्तरक)  
नि० भूडा, डा बरौला, जिला गाजियाबाद,
2. श्री हर्केश, कालू पुत्र सार्नी (अन्तरिती)  
नि० भूडा, डा० बरौला-  
प्र० ख० ता० दारौरी  
जिला—गाजियाबाद ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाला नं० 37 ग्राम भूडा जिला गाजियाबाद

तारीख 26-7-84

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Kanpur, the 26th July, 1984

Ref. No. M-2/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. situated at Village Bhoda (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Dadri under registration No. 4087 dated 7-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shrimati Kalawati Bewa Shri Nathu Singh Vill. Bhoda Distt. Ghaziabad.  
(Transferee)

2. Shri Harkesh, Kaloo S/o Sarni P.O. Barola Distt. Ghaziabad.  
(Transferee)

3. Shri Harkesh, Kaloo S/o Sarni Village-Bhoda Post Barola Distt. Ghaziabad. Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.



## THE SCHEDULE

Khata No. 37 Village-Bhoda, Distt. Ghaziabad.

Date : 26-7-84

SEAL

Strike off where not applicable.

निदेश नं० एम-108/84-85 —यह मुझे जे०पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 7708 है तथा जो सोहजनी में स्थित है (और इसके उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुड्डाना में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक से ऐसे दृश्यमान प्रतिक के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिनी (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्तरक अधिनियम 1957 (1957 का 27) के 'प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था' छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसूचन में, मैं - उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- 1 श्री मदन पाल अमरपाल पुत्र सुगन चंद  
नि० आकाश—सोहजनी, प्र० शिकारपुर  
(अन्तरक)
- 2 श्री सोहनवीर सिंह व ब्रजपाल सिंह धात्रि पुत्र सागा सिंह  
पोस्ट व ग्राम—सोहजनी  
पु० शिकारपुर  
बुड्डाना  
(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20B में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थित ग्राम—सोहजनी, शिकारपुर, बुड्डाना

तारीख 26-7-84

मोहर :

[जा लागू न हो उसे काट दीजिए]

Ref. No. M-108/84-85.—Whereas I, J. P. Hillori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No..... situated at Sohjani (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Buddana under registration No. 7708 dated 5-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Madan Pal, Amar Pal S/o Sugan Chand  
R/o Post & Village-Sohjani Buddana-Distt.  
Muzaffar Nagar.

(Transferor)

2. Shri Sohan Vir Singh, Barj Pal Singh S/o  
Sagwa Singh Village & Post-Sohjani Buddana Distt. Muzaffar Nagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid within a period of 45 days from the date of publication of this

notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**Explanation :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Village-Sohjani Khatta No. 464 Buddava Murzaffar Nagar

Date : 26-7-84

Seal :

Strike off where not applicable.

निवेश नं० एम-120/84-85 :-प्रतः मुझे, जै०पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 4129 है तथा जो हसनपुर भोवापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्तमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृत्तमान प्रतिकल से, ऐसे वृत्तमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री सहर चंद, खजान पुत्र श्री तेजा चिन्ता राम, रामकिशन पुत्र श्री नैन सिंह  
ग्राम० हसन पुर भोवापुर (अन्तरक)  
पो० लोनी—दादरी— गाझियाबाद
2. श्री गोपाल दत्त पुत्र बच्चो राम  
निवासी—एक 12 बिजय चौक लक्ष्मी नगर  
बिस्ली—82 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विगुण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आता नं० 153 बसरा नं० 175 ग्राम० हसनपुर भोवापुर

तारीख 26-7-84

मोहर :-

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. M-120/84-85.—Whereas I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair-market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No..... situated at Hasanpur, Bhawapur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri under registration No. 4129 dated 4-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Mohar Chand, Khajan S/o Sri Teja, Chinta Ram S/o Sri Nain Singh R/o Hasanpur, Bhawapur Post-Loni Dodri, Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

2. Shri Gopal Dutt S/o Bachi Ram R/o F-12,  
Vijai Chowk Laxmi Nagar Delhi-92.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

Khata No. 153 Khasra No. 175 Village-Hasanpur Bhawapur.

Date : 26-7-84

Seal :

Strike off where not applicable.

निदेश नं० एम-1481/83-84 :—अतः मुझे जे०पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी नं० 7188 है तथा जो कुतुबपुर में स्थित है (और इससे उपाज्ज अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-9-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिफल से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मैजिस्ट्रेट पुष्प हेताराम  
ग्रा० कुतुबपुर पो० प्र० शिकारपुर  
जिला बुलन्दशहर (अन्तरक)

2. श्रीमती सतबीरी देवी पत्नी जयचंद्  
ग्रा० कुतुबपुर, पो० प्र० शिकारपुर  
जिला बुलन्दशहर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरों के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची,

स्थित खाता नं० 286 कुतुबपुर, पो० प्र० शिकारपुर, जिला बुलन्दशहर

तारीख : 26-7-84

सोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref No. M-1481/83-84 :—Whereas I J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No..... situated at Kutubpur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar under registration No. 7188 dated 21-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by

the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Mado Singh S/o Hait Ram R/o Kutubpur, Post-Sikapur Distt. Bulandshahar.  
(Transferor)

2. Shrimati Sat Bir Devi w/o Khchado Singh R/o Kutubpur PO Sikarpur, Bulandshahar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Khatta No. 286 Kutubpur Bulandshahar.

Date : 26-7-84

Seal :

Strike off where not applicable.

निवेशन० एम 1482/83-84 --प्रत. मुन्ने जे०पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी स० 7101 है तथा जो आरंगबाद में स्थित है (और इससे उपायध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय बुलन्दशहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्राधीन तारीख 17-9-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण यह है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों के युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के

दायित्व में कमी करने या उगसे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री प्रवीं सिंह पुत्र लालजी  
नि०—आरंगबाद  
प्र०—हरन—पा० हरन  
जिला—बुलन्दशहर (अन्तरक)

2. श्री फारंगम पुत्र धिबकन सिंह  
नि० गुलाबठी खुर्द—प्र० अमीना  
पा० गुठावाली—जिला बुलन्दशहर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्य शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आरंभ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आ रजी न० 1189--1192--1193 आरंगबाद जिला बुलन्दशहर

तारीख . 26-7-84

माहुर : ]

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. M-1482/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No..... situated at Orangabad (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar under registration No. 7101 dated 17-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the



transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Shri Panthi Singh S/o Lal Ji R/o Orangabad (Post—Baran Distt. Bulandshahar).  
(Transferor)
- Shri Fary Ram S/o Bhikan Singh R/o Gulawithi Khurd (Pargana) Agota Post-Guthawali (Distt. Bulandshahar).  
(Transferee)
- Shri Fary Ram S/o Bhikan Singh R/o Gulawithi Khurd (Pargana) Agota Post-Guthawali (Distt. Bulandshahar).

[person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Khasra No. 1189 Orangabad Bulandshahar

Dated : 26-7-84

Seal :

Strike off where not applicable.

निदेश सं० एम 1483/83-84 :—घनः मुझे जे०पी० हिलोरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 से अधिक है और जिसकी सं० 2484 है तथा जो ग्राम सिकेडा में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय गढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-9-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त द्वारा प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिनी (अन्तरिनी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए आय/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किता जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

घनः अब युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- श्री योगेश कुमार, दीपक, अजय संजय  
पुत्र—राम सिंह, निवासी, ग्राम सिकेडा मुराबाबाद  
प्र० पी० गढ़, जि० गाजियाबाद (अन्तरक)
- श्री शफीक व मु० खलील पुत्र मु० तकी  
निवासी—चाहणोर हापुड़  
प्र० पी० हापुड़, जि० गाजियाबाद (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में स्थित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—हमने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अनुयाय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम—सिकेडा मुराबाबाद प्र० पी० गढ़ जि० गाजियाबाद सं० न० 383

तारीख: 26-7-84,

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. M-1483/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market

value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Khasra No. 383 Sikaida (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) u/s. 269AB of in the office of the Registering Officer at Garh under registration No. 2484 dated 17-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Shri Yogesh Kumar, Depak, Ajai Sanja S/o Ram Singh R/o Sikaida Muradabad Post Garh, Distt. Ghaziabad.  
(Transferor)
- Shri Saffic Mohamad Khalil S/o Moh. Taki R/o Chahsore Hapur, Post Hapur, Distt. Ghaziabad.  
(Transferee)
- Shri Saffic Mohamad Khalil S/o Moh. Taki R/o Chahsore Hapur, Post Hapur, Distt. Ghaziabad.  
(Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Khasra No. 383 Village Sikaida Muradabad  
Post Garh, Distt. Ghaziabad.

Date : 26-7-84

Seal :

Strike off where not applicable.

निर्देश नं० एम-1507/83-84—अतः भूधे जे० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269A के अधीन गन्तव्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसका स० 7458 है तथा जो 34 इंदर-रोड देहरादून में स्थित है (और इसमें उपाय नृचकी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मकाना मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-9-83 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में का के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और भूधे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरिकी) और अन्तरिकी (अन्तरिकीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- अन्तरण से हुई किसी आय की खान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या
- ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269A के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269A की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- श्रीमती बृजकिशोरी बघावर (अन्तरक)  
पत्नी स्वर्गीय, ए० एल० बघावर  
नि०—34 इंदर रोड—देहरादून
- श्री मातक चंद खड्का (अन्तरिकी)  
पुत्र स्व० श्री जी० डी० खड्का व  
श्रीमती विजय लक्ष्मी खड्का  
नि०—110/बी मिनिम लाईन—बरेली

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियों शुरू करना है। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गली नं० 34 इंदर रोड, देहरादून

तारीख . 26-7-84

मोहर :

जो लागू न हों उसे काट दी जाए।

Ref No. M-1507/83-84 :—Whereas, I J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. situated at 34 Inder Road Dehradun (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) as 269 AB of in the office of the Registering Officer at Mawana Meerut under registration No. 7458 dated 26-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer, as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- facilitating the concealment of any income or any money of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Shrimati Brij Kishori Badhwar w/o Late Shri A. L. Badhwar R/o 34 Inder Road, Dehradun (Transferor)
- Shri Dr. Nanak Chand Khanduja S/o Late Shri G. D. Khanduja and Smt. Vijai Laxmi Khanduja R/o 110/B, Civil Lines Bareilly. (Transferee)
- Shri Dr. Nanak Chand Khanduja S/o Late Shri G. D. Khanduja and Smt. Vijai Laxmi Khanduja R/o 110/B, Civil Lines Bareilly. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette

or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

No. 34, Inder Road Dehradun.

Date : 26-7-84

Seal :

Strike off where not applicable.

निर्देश नं० एस-1540/83-84.—अनः मुझे जे० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 1404 है तथा जो प्लॉट 10 गड्ड सं० रोड मेरठ में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-10-83 को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से गत अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है।

- अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक में दाखिल से कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/वा
- ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अनः अब यून अधिनियम की धारा 269ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- श्री ए० पी० शर्मा पुत्र स्व० प० राजा राम शर्मा (अन्तरक)  
मैनेजर खादी ग्राम अखण्ड भवन, गंगल बिल्डिंग  
कनॉट प्लेस, नई दिल्ली,
- श्रीमती डा० बीना रानी गुप्ता (अन्तरिणी)  
C/o डा० विमोद कुमार गुप्ता, 215 मोती गज बेगम बिज रोड, मेरठ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हैं। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की

अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को 45 दिन के भीतर उक्त म्याद पर संपत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त उक्तियों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

स्थित प्लॉट नं० 10 गार्हमुक्तेश्वर रोड, मेरठ।

तारीख : 26-7-84

मोहर :

जो लागू न हो उसे काट बाँझिए।

Ref. No. M-1550/83-84 :—Whereas, I J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. situated at No. 4292 Garh Mukteswar Road (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) u/s 269 AB of in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 1404 dated 14-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Shri Anand Prakash Sharma S/o Late Pandit Raja Ram Sharma Village Silp A-1 Baba Kharak Singh Marg, Delhi. (Transferor)
- Shrimati Dr. Beena Rani Gupta C/o Dr. Vinod Kumar Gupta, 215, Soti Gong Begam Brij Road, Meerut. (Transferee)

- Shrimati Dr. Beena Rani Gupta C/o Dr. Vinod Kumar Gupta 215, Soti Gang Begam Brij Road, Meerut. (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 10, Garh Mukteshwar Road, Meerut.

Date : 26-7-84

Seal :

Strike off where not applicable.

निर्देश नं० एम-1551/83-84—अतः मुझे जे० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 1403 है तथा जो 215 सोती गंज मेरठ में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख 14-10-83 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यपि पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तर्गत (अन्तरको) और अन्तर्गामी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से यक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के प्राप्ति से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिग्री में सुविधा के लिए

अतः अब यक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

- श्री डा० बी० के० गुप्ता (अन्तर्गामी)  
215 सोती गंज बेगम ब्रिज रोड,  
मेरठ



2 श्री डा० ए० पी० शर्मा पुत्र स्व० श्री राजा राम शर्मा (अन्तरक)  
नि०—ग्रामशिल्प ग-1 बाबा खडक सिंह मार्ग, नई दिल्ली,  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता है। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में  
कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की  
अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 की  
अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के  
भीतर उक्त संपत्ति के हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा  
अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लॉट नं० 10, गढ़मुक्तेश्वर रोड, मेरठ

तारीख: 26-7-84

File No. 1551/83-84 :—Whereas, I, J. P. Hilori  
being the Competent Authority authorised by the  
Central Government in this behalf under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter  
referred to as the said Act, have reason to believe  
that immovable property having a fair market  
value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4292  
Garh Road situated at Meerut (and more fully described  
in the schedule below) has been transferred  
and registered under the registration Act, 1908 (16  
of 1908) u/s. 269 AB of in the office of the Registering  
Officer at Meerut the said Act read with rule  
48DD of Income-tax Rules, 1962 under registration  
No. 1403 dated 14-10-83 for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the  
aforesaid property by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the transferor(s)  
and transferee(s) has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice  
570 GI/84-4

under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Shri Anand Prakash Sharma S/o Late Shri Raja Ram Sharma R/o Gram Shilp A-1, Baba Kharak Singh Marg, Delhi. (Transferor).
- Shri Dr. Vinod Kumar Gupta R/o 215, Soti Gang Begum Bridge Road, Meerut. (Transferee)
- Shri Dr. V. K. Gupta (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Plot No. 10, Garh Mukteshwar Road, Meerut.

Date : 26-7-84

Seal :

Strike off where not applicable.

कानपुर, 24 जुलाई, 1984

निदेशन एम-1552/83/84.—अतः सुश्री जे० पी० हिलोरी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 1174 है तथा जो मथुरा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार प्राधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-10-83 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर

अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में मुद्रिणा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रस्तावित —

1. सेठ राधा कृष्ण स्मोरियल चैरीटेबल (अन्तरक)  
ट्रस्ट द्वारा श्री महावीर प्रसाद पोद्दार,  
अमृतासर गिल मार्ग, नई दिल्ली
2. श्री राजेश कुमार एवं सुरेश चन्द्र (अन्तरिणी)  
पुत्र श्री गोविन्द राम नि० गली मेघ चौक,  
मथुरा

3. श्री श्रीमती कुमारी अन्तरिणी (वह व्यक्ति, जिस के अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्समधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति से हस्तगत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुबन्धी

प्लॉट न० 913 मोहल्ला गोकर्न नाथ मथुरा (यू० पी०)

तारीख : 14-7-84

मोहर

[नीला छाप तहाँ उसे काट दीजिए]

Kanpur, the 24th July, 1984

K-402/KNP/83-84.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 913 situated at Moh Gokran Nath, Mathura (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi under registration No. 1434 dated 12-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or,
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Seth Radha Krishna Memorial Charitable Trust, Through Shri Mahavir Prasad Poddar, Amrita Sher Gill Marg, New Delhi. (Transferor)
2. Shri Rajesh Kumar and Suresh Chandra, Sons of Sri Govind Ram, R/o Gali Megha Chowk, Mathura (Transferee).
3. Shri/Smt. —do— Transferee (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### SCHEDULE

Plot No. 913 at Mohalla Gokram Nath, Mathura (U.P.)

Date : 24/7/84

SEAL

\*Strike off where not applicable

निर्देश न० एम-1605/53/84—अतः मुझे जे० पी० हिलोरी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उल्लिखन राजपत्र

मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 9097 है तथा जो रंगाना में स्थित है (और इससे अपाहृत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैराना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-10-83 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जुग मन्दर दास मूल शंकर लाल (अन्तरक)  
नि०टी० 5—ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली-1
2. श्री ओम प्रकाश व राज पाल सिंह (अन्तरितों)  
पुत्र करम सिंह नि०—किशन पुर बिराल  
डा०—खाम जि० मेरठ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हूँ। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम—रंगाना खट्टा नं० 70 कैराना—जि०— मु० नगर।

तारीख: 26/7/81

मोहर:

[जो लागू न हों, उसे बाट दीजिए]

M-1608/83-84.—Where as, I J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair

market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 9097 situated at Rangana (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered \*under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana under registration No. 9097 dated 13-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Shri Jugminder Das S/o Shanker Lal R/o T. S. Grain Park Extension New Delhi-1. (Transferor).
2. Shri Om Prakash, Raj Pal Singh S/o Karam Singh, R/o Kishan Pura Biral, Post-Khas-Bagpat Distt. Meerut. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Village—Rangana Khatta No. 70 Distt. Muzaffar Nagar.

Date: 26-7-84.

SEAL

\*Strike off where not applicable.

विदेश नं० एम—1624/83-84.—प्रतः मुझे जे० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं. 22513 है तथा जो 213 गांधीनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-10-83 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या छिपाने में सुविधा के लिए

प्रतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री देवराज महाजन पुत्र श्री विशम्भर दाम महाजन (अन्तरक) नि० जी० डी० ए० फ्लैट नं० 28 श्रेष्ठ सराय, मालवीय नगर, नई दिल्ली।

2. श्री सुभाष कुमार गोयल पुत्र (अन्तरिती) एन० पी० गोयल (निवासी 213 गांधी नगर गाजियाबाद) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अवन सं० 213 स्थित गांधी नगर गाजियाबाद

तारीख: 26-7-1984

मोहर:

[जो खामू न हो उसे काट दीजिए]

M-1624/83-84.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. .... situated at H. No. 213 Gandhi Nagar . . . (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under Registration No. 22513 dated 19-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Shri Deo Raj Mahajan S/o Shri Visambhar Das Mahajan R/o. D.D.A. Flat No. 28, Sakhi Saraya Malviya Nagar, New Delhi. (Transferor)

2. Shri Subhash Kumar Goyal S/o N. P. Goyal 213 H. No. Gandhi Nagar, Ghaziabad. (Transferee).

3. Shri/Smt. —do— (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said



Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 213 Ghandhi Nagar, Ghaziabad.

Date : 26-7-84.

SEAL :

\*Strike off where not applicable.

निदेश नं० एम-1641/83-84.—अतः मुझे जे०पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमके यहाँ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 8758 है तथा जो सैदपुर गा०बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हापुड़ में, राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-11-83 तारीख को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वतः सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दावेदारों के कमी करने या उसमें घटने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री फतेह सिंह पुत्र भीरसिंह (अन्तरक)  
निवासी—सैदपुर, हुसैनपुर, डीलना, जलालाबाद  
पो०प्र०—हापुड़—जि० गाजियाबाद
2. श्री ओमवीर, वीरपाल पुत्र गण श्री तबल सिंह आदि (अन्तरिनी)  
निवासी—सैदपुर हुसैनपुर डीलना, जलालाबाद  
पो०प्र०—हापुड़—जि०—गाजियाबाद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हैं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोध्याक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खमरा नं० 229 स्थित सैदपुर, हुसैनपुर डीलना जलालाबाद—हापुड़,

जि० : गाजियाबाद

तारीख : 26-7-84

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

M-1641/83-84.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 8758 situated at Hapur, Syadpur, (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur under Registration No. 8758, dated 22-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Fateh Singh S/o Meer Singh, R/o Sayadpur, Husainpur Delna, Jalalabad Post—Hapur, District—Ghaziabad. (Transferor)
2. Shri Jaiparakash, Jaipal, Ompal S/o Shri Nawal Singh R/o Sayadpur, Husainpur, Delna, Jalalabad Post—Hapur, District—Ghaziabad. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Khata No. 229 Sayadpur, Husainpur Delna  
Post—Jalalabad, District—Ghaziabad.

Date : 26-7-84.

SEAL :

\*Strike off where not applicable.

निवेश नं० एम० 1660/83-84 :—अतः मुझे जे०पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ से अधिक है और जिसकी सं० 1435 है तथा जो सिनोला के दून में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-9-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विमललिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री नरेश कुमार वज्राज पुत्र गिरधारी लाल (अन्तरक)  
अमृत बनस्पति क० लि०  
गाजियाबाद।

2. मैनेजिंग डाईरेक्टर क०क० सोधन (अन्तरितों)  
क०क० कामपूकणम्स (इंडिया) प्रा० लि० एम० 275  
ग्रैंटर कैलाश पार्क 2,  
नई दिल्ली।

3. श्री/श्रीमती/कुमारी (यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अप्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ख० सं० 7,8/1, 10/1, 11/1, सिनोला केन्द्रिय दून देहरादून।

तारीख : 26-7-84

मोहर.

(जो लागू न हो उसे काट डीजिए)

M-1660/83-84.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 1435 situated at Cinola Dehara Dun (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered \*under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehra Dun under Registration No. 1435 dated 28-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian

Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Narsh Kumar Bajaj S/o Girdhari Lal, Amrit Banaspati Ltd. Ghaziabad. (Transferor)
2. Managing Director K. K. Soin, K. K. Constructions (India) (P.) Ltd. M-275 Greater Kailash Part, 2, New Delhi. (Transferee)
3. Shri/Smt. —do—  
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Khasra No. 7, 8|1, 10|1, 11|1 Cinolakendria Dun, Dehradun.

Date : 26-7-84.

SEAL :

'Strike off where not applicable.

निर्देश नं० एम-1524/83-84 —अतः मु.स. जे०पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विचार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी नं० 1313 है तथा जो गाजियाबाद में स्थित है (और हमसे उपायग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुकद्दावाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति व उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विचार करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिगण से अधिक है अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिम्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्न-लिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री जाहारिया, पुत्र श्री बुद्ध, नि० ग्राम-हाजीपुर, पो० बरौला जि० गाजियाबाद (अन्तरक)
2. श्री हरीराम, पुत्र श्री हनुमन् सिंह नि० ग्राम-हाजीपुर, पर० व तह० दादरी, जि०-गाजियाबाद (अन्तरिती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारो अन्तरिती (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)  
किं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय —
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — हमसे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती नं० 374 वाले ग्राम-हाजीपुर, परगना-दादरी, जि०-गाजियाबाद।

तारीख 24-7-84

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. M-1524/83-84.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 374 situated at Vill. Hazipur, Dadri (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ghaziabad under registration 4313 dated 1-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Shri Jahariya, S/o Shri Budhoo R/o Vill—Hazipur, Post—Varaula, District Ghaziabad. (Transferor).
- Shri Hari Ram, S/o Sri Hukam Singh, R/o Vill—Hazipur, Teh. Dadri, Distt. Ghaziabad. ((Transferee).

Shri|Smt. —do—

[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 374, at Village Hazipur, Pargana—Dadri, Distt. Ghaziabad,

Date : 24-7-84.

SEAL :

\*Strike off where not applicable.

निवेश नं० एम-1666/83-84 :—अतः मुझे, जे० पी० शिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 25536/83 है तथा जो गाजियाबाद में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से बधित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उसमें बचत में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मंथन कुमार द्विवेदी, पुत्र श्री गोविन्द सिंह द्विवेदी, म० न० 425, बदरपुर दिल्ली (अन्तरक)

2. भगन सिंह, पुत्र श्री कृष्ण, नि० ग्राम-हरनौली, जिला बुलन्दशहर (अन्तरिनी)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिनी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अज्ञोद्विगताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।



अनुसूची

प्लॉट नं० आर-9/170, स्थित राजनगर, गाजियाबाद ।

तारीख : 24-7-84

साह्र :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. M-1666/83-84.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. R-9/170 situated at Rajnagar, Ghaziabad (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 25536 dated 31-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Shri Manthan Kumar Hitashi S/o. Shri Govind Singh Hitashi, H. No. 425, Badarpur, Delhi. (Transferor).
- Shri Bharat Singh, S/o Sri Krishna, R/o Vill. Tartauli, Distt. Bulandshahar.

Transferee

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. R-9/170, Raj Nagar, Ghaziabad.

Date : 24-7-84.

SEAL :

\*Strike off where not applicable.

निर्देश नं० एम-1610/83-84 :—अतः मुझे जे० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथास्थित सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 21900 है तथा जो गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार, मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

- अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- श्री वी० एन० काक, पुत्र श्री किशन नाथ काक, नि० 412/1, सिविल लाइन्स, रुड़की, जि. सहारनपुर (अन्तरक)
- श्रीमती विमला देवी, पत्नी श्री रामेश्वर दयाल, नि० 126, न्यू गांधी नगर, गाजियाबाद । (अन्तरिती)
- श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख

30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों का और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुज्ञा :—

सक्रां नं० जे-62, स्थित पटेल नगर प्रथम गाजियाबाद ।

तारीख : 21-7-84

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. M-1610/83-84.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Component Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. J-62, situated at Patel Nagar, GBD (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered \*under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 21900 dated 7-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the

said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri V. N. Kak, S/o. Sri Vishan Nath Kak, R/o. 412/1, Civil Lines, Roorkee, District Saharanpur. (Transferor).
2. Smt. Vimla Devi w/o Shri Rameshwar Dayal, R/o 125, New Gandhi Nagar, Ghaziabad. (Transferee).
3. Shri/Smt. —do— (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. J-62, at Patel Nagar District Ghaziabad.

Date : 21-7-84.

SEAL :

\*Strike off where not applicable.

J. P. HILORI, Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, (Acquisition Range), Kanpur.